न्यूज डायरी

लोकसभा अध्यक्ष कल आएंगी

वाराणसी। लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार 17 मार्च को दोपहर 11.45 बजे इंडियन एयर लाइंस के विमान से यहां आएंगी। अपराह्न दो बजे वे केंद्रीय तिब्बती अध्ययन विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में शामिल होने जाएंगी। तत्पश्चात शाम 5 बजे बीएचयू में आयोजित समारोह में शामिल होंगी। रात्रि विश्राम वे वाराणसी में ही करेंगी। 18 मार्च को दोपहर 12.10 बजे स्पाइस जेट के विमान से दिल्ली चली जाएंगी।

हंगामा किया

बाबतपुर। पायलटों की हड़ताल के चलते गुरुवार को किंगफिशर की मुंबई-दिल्ली-वाराणसी उड़ान आईटी 623 और 624 निरस्त रही। इससे यात्रियों को काफी परेशानी हुई। वाराणसी से 135 यात्रियों को इस विमान से दिल्ली और मुंबई जाना था मगर ऐन वक्त पर विमान रद होने की सूचना मिलने पर उनका पारा चढ़ गया। यात्रियों ने एयरपोर्ट टर्मिनल पर जमकर हंगामा काटा। बाद में किंगफिशर एयरलाइंस ने कुछ यात्रियों को अन्य विमानों से दिल्ली भेजा जबकि ज्यादातर यात्रियों को मायूस होकर लौटना पड़ा।

चेन उड़ाई

वाराणसी। कालिका गली के मदन साहनी की मां कमला देवी गुरुवार को शीतला मंदिर गई थीं। दर्शन करते समय उचक्कों ने उनके गले से सोने की चेन खींच लिया। वृद्धा ने शोर मचाया तो काफी लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। पुलिस ने मंदिर में आई दो महिलाओं को संदेह के आधार पर पकड़ लिया। पूछताछ के बाद उनको छोड़ दिया गया।

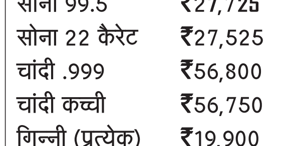

सोना 99.5	₹27,725
सोना 22 कैरेट	₹27,525
चांदी .999	₹56,800
चांदी कच्ची	₹56,750
गिन्नी (प्रत्येक)	₹19,900
सिक्का (प्रत्येक)	₹ 1000

(नोटः सोना प्रति दस ग्राम, चांदी प्रति किग्रा)

वाराणसी खोवा भाव

खोवा (थोक)	₹70-72
खोवा (फुटकर)	₹75-80
छेना (थोक)	₹120-125
छेना (फुटकर)	₹130-135

(नोटः प्रति किग्रा)

अमर उजाला

स्वामी ज्ञानस्वरूप सानंद के स्वास्थ्य लाभ के लिये बुलानाला स्थित राम जानकी मंदिर में हवन करते लोग।

काशी में मृत्यु से मोक्ष की कामना नहीं

गंगा के लिए तपस्यारत स्वामी सानंद ले चुके हैं शरीर दान का संकल्प

अरविंद मिश्र

वाराणसी। अविरल एवं निर्मल गंगा के लिए मकर संक्रांति से आंदोलनरत स्वामी ज्ञानस्वरूप सानंद को काशी में मृत्योपरांत मोक्ष की आकांक्षा नहीं है। वह तो पहले ही अपना शरीर दान करने का संकल्प ले चुके हैं। यह संकल्प उन्होंने हरिद्वार में गंगा तपस्या के दौरान काशी मरणान्मुक्ति नामक पुस्तक के अध्ययन के दौरान लिया। उन्होंने पुस्तक की जिल्द के अंदरूनी सफेद हिस्से पर अपने विचार भी अंकित किए हैं।

स्वामी सानंद ने लिखा है कि मैं गंगा मां की वर्तमान सभी कष्टों से मुक्ति से पूर्व अपने इस क्षुद्र जीव की मुक्ति की कामना कैसे कर सकता हूं। मां को तड़पते देख अपनी मुक्ति कैसे स्वीकार करूं? प्रभु काशी विश्वनाथ काशी में मरणोपरांत मुक्तियज्ञ में शव को चितागिभन में समर्पित करने पर ही मुक्ति प्रदान करते हैं जैसा कि पुस्तक के पृष्ठ संख्या 163 पर अंकित है। सो मैं नहीं चाहता कि चितागिभन के संपर्क में आऊं। मेरी अंतिम इच्छा है कि मेरे शरीर के उपादेय अंग किसी जरूरतमंद के काम आए और उसे गंगा सेवा के लिए प्रेरित करे। अनुपयोगी अंग भी चिकित्सा शास्त्र के शिक्षण कार्य में प्रयुक्त हो। तपस्वी दिलीप के साथ-साथ महामना ऋषि दधीचि में भी मेरे आदर्श सिद्ध हों। पुस्तक की पिछली जिल्द पर यह भाव उन्होंने स्वयं अंकित किए हैं।

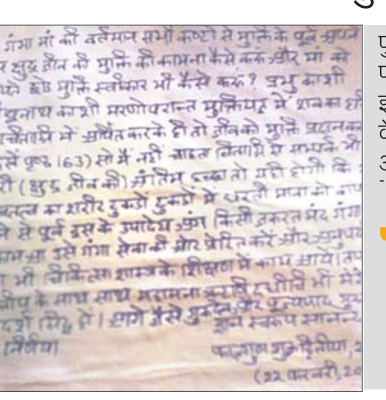

पुस्तक की जिल्द पर स्वामी ज्ञानस्वरूप सानंद के हाथों लिखी गई अंतिम इच्छा।

- जो अंग किसी के काम न आए, मेडिकल कालेज के नाम होगा

स्वामी सानंद नहीं चाहते बंदी, अस्पताल पहुंचे प्रमुख मुसलिम धर्माचार्य

बनारस, मुर्री बंद की चेतावनी

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। गंगा तपस्या कर रहे स्वामी ज्ञानस्वरूप सानंद के समर्थन में हिंदू और मुसलमान खुल कर सामने आ रहे हैं। सातवें दिन गुरुवार को मुलाकात करने वाले मुसलिम धार्मिक नेताओं ने जहां गंगा के सवाल पर 17 मार्च को मुर्री बंद करने का प्रस्ताव रखा वहीं इसी तारीख को कई संगठनों ने बनारस बंद की चेतावनी देकर समस्त व्यापारिक संगठनों से संपर्क जारी रखा है। दूसरी ओर स्वामी सानंद की ओर से जारी संदेश में कहा गया है कि उनकी दिली इच्छा है कि न तो बनारस बंद हो और न ही मुर्री बंद।

कबीरचौरा अस्पताल में पत्रकारों से स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने स्वामी सानंद के हवाले से कहा कि किसी भी प्रकार के बंद से समाज और देश का नुकसान ही होगा। बेहतर तो यह होगा कि अपने कामकाज करते हुए हम शालीन विरोध जारी रखें। लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए स्वामी जी भले ही सबसे मिल रहे हैं लेकिन उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है कि लोगों के लगातार अस्पताल पहुंचने के कारण ज्यादा भीड़भाड़ से उनकी तपस्या बाधित हो रही है। उधर, सुबह 111 भूदेवों का समूह श्रीरामचरितमानस का पारायण करने से पूर्व अस्पताल पहुंचा। सांस्कृतिक पुरुष उमाशंकर सिंह और स्वामी बालक दास के नेतृत्व में पहुंचे ब्राह्मणों ने हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया। प्रमुख मुसलिम नेता चौदहों के सरदार मौलाना मकबूल हसन अशरफी ने अपनी जमात के दूसरे वरिष्ठ लोगों के साथ स्वामी सानंद से मिलकर उनके समर्थन में 17 मार्च को मुर्री बंद तक करने का ऐलान किया। उल्लेखनीय है कि इसी तारीख पर शहर के कुछ व्यापारिक और सामाजिक संगठन सभी वर्गों को साथ लेकर बनारस बंद की तैयारी भी कर रहे हैं। जामा मसजिद उस्मानिया के इमाम-ए-जुमा मुफ्ती हारुन रशीद नक्शबंदी, मुसलिम नेता अतहर जमाल लारी ने भी अपने सहयोगियों के साथ स्वामी सानंद से कंधे से कंधा मिलाने की कसम खाई।

कबीरचौरा अस्पताल में स्वामी सानंद से मिलने पहुंचें राजेंद्र सिंह।

07 वें दिन भी स्वामी सानंद की गंगा तपस्या जारी

गंगा में खड़े होकर गंगा रक्षा की मांग

वाराणसी। स्वामी सानंद की गंगा तपस्या की लहर शहर के विभिन्न मोहल्लों में पहुंचने लगी है। गुरुवार को शिव काशी मंच और इंडिया अगेंस्ट करप्शन के सदस्यों ने गंगा में गले तक पानी में खड़े रहकर विरोध दर्ज कराया। इसके उपरांत डा. गिरीश तिवारी की अध्यक्षता में धर्मसभा हुई। केंद्रीय ब्राह्मण महासभा की ओर से दशाश्वमेध स्थित शास्त्रार्थ महाविद्यालय में केंद्र सरकार की सद्बुद्धि के लिए वेदपाठी विद्यार्थियों द्वारा सूर्योपासना का आयोजन पं. पवन शुक्ल के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने गंगा रक्षा का संकल्प किया। बुलानाला में नवीन गिरी की अध्यक्षता में बुद्धि-शुद्धि यज्ञ किया गया। वंदेमातरम संघर्ष समिति, मां गंगा रक्षाम सेवा समिति, जनकल्याण परिषद ने भी विभिन्न गतिविधियां संचालित कीं। स्वामी मयंक महाराज, गोविंद शर्मा, यतींद्र चतुर्वेदी, अर्जुन यादव, दुर्गेश उन लोगों में से हैं जो अस्पताल में स्वामी सानंद की सेवा में लगे हैं।

कहीं अंतरराष्ट्रीय साजिश तो नहीं

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। देश के नदी वैज्ञानिक सरकार को हकीकत बताने के लिए तैयार बैठे हैं और सरकार उन्हें दरकिनार करने में लगी है। ऐसे में तो अब गंगा को खत्म करने की अंतरराष्ट्रीय साजिश की गंध आने लगी है।

गुरुवार की सुबह दिल्ली से वाराणसी पहुंचे राजेंद्र सिंह ने स्वामी सानंद से मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा कि राजस्थान की सात नदियों को पुनर्जीवित करने के बाद गंगा को बचाने के लिए मैं किसी आंदोलन के पक्ष में नहीं। अब इस समस्या का समाधान जनांदोलनों की परिधि से बाहर ऐसी स्थिति में है जहां गंगा को बचाने की इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। मौजूदा सरकार के पास इस इच्छाशक्ति का सर्वथा अभाव है। मैगसायसाय पुरस्कार से सम्मानित जल पुरुष राजेंद्र सिंह ने देश की सभी नदियों को आपस में जोड़ने वाली परियोजना को देश तोड़ने वाली परियोजना करार दिया है। नदी जोड़ने से लाभ के जो आंकड़े पेश किए जा रहे हैं वे गलत हैं।

स्वामी सानंद ने ठुकराया केंद्र का प्रस्ताव

वाराणसी। स्वामी ज्ञानस्वरूप सानंद ने केंद्र की पर्यावरण मंत्री जयंती नटराजन के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। गुरुवार की रात करीब नौ बजे सरकार की ओर से मिले संदेश में कहा गया है कि वे गंगा तपस्या भंग कर दें, सरकार नेशनल गंगा रीवर बेसिन अथारिटी की स्टैंडिंग कमेटी की बैठक 30 मार्च को कराने को तैयार है। एडीएम सिटी के माध्यम से मिले संदेश का उत्तर स्वामी सानंद ने रात्रि में ही भेज दिया। उन्होंने स्पष्ट किया है कि अथारिटी की बैठक से कम कुछ भी मंजूर नहीं है।

बर्ड स्पैरिंग डिवाइस लगेगी

वाराणसी। पिछले दिनों लैडिंग के वक्त विमान के पंखे से पक्षी टकराने की घटना को एयरपोर्ट प्राधिकरण ने गंभीरता से लिया है। गुरुवार को बाबतपुर में हुई एयरपोर्ट सुरक्षा समिति की बैठक में हवाईअड्डे पर अत्याधुनिक बर्ड स्पैरिंग डिवाइस लगाने पर सहमति बनी। इससे रनवे और उसके आसपास पक्षियों की आवाजाही बेहद कम हो जाएगी।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे एयरपोर्ट के निदेशक एसके मलिक ने बताया कि एयरपोर्ट के पांच किमी के दायरे में मीट-मांस की दुकानों को बंद कराने के लिए प्रशासन को लिखा गया है। साथ ही दस किमी के दायरे में 40 मीटर या उससे ऊंची इमारत के निर्माण के लिए अब वीडीए के साथ ही एयरपोर्ट प्राधिकरण से भी अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना होगा। बैठक में सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेंट एचके ब्रह्मा, इंटेलीजेंस ब्यूरो के आरपी सिंह के अलावा सभी एयरलाइंसों के स्टेशन मैनेजर मौजूद थे।

- एयरपोर्ट सुरक्षा समिति का फैसला

गाजीपुर अफीम फैक्ट्री की दस सील बरामद

अमर उजाला ब्यूरो

अफीम तस्करीकांड

01 और अभियुक्त को रिमांड पर लेने की तैयारी

वाराणसी। अफीम तस्करी मामले में रिमांड पर लिए गए पांच अभियुक्तों से पूछताछ के आधार पर घटना में प्रयुक्त दो मोबाइल और अफीम फैक्ट्री की दस सील बरामद हुई है। पुलिस एक और अभियुक्त को रिमांड पर लेने का प्रयास कर रही है। तीन अभियुक्तों को पुलिस ने जेल में दाखिल कर दिया है लेकिन अन्य दो से पूछताछ जारी है। छानबीन के दौरान फैक्ट्री में तैनात सीआईएसएफ टीम के खिलाफ कुछ पुख्ता सुबूत मिले हैं।
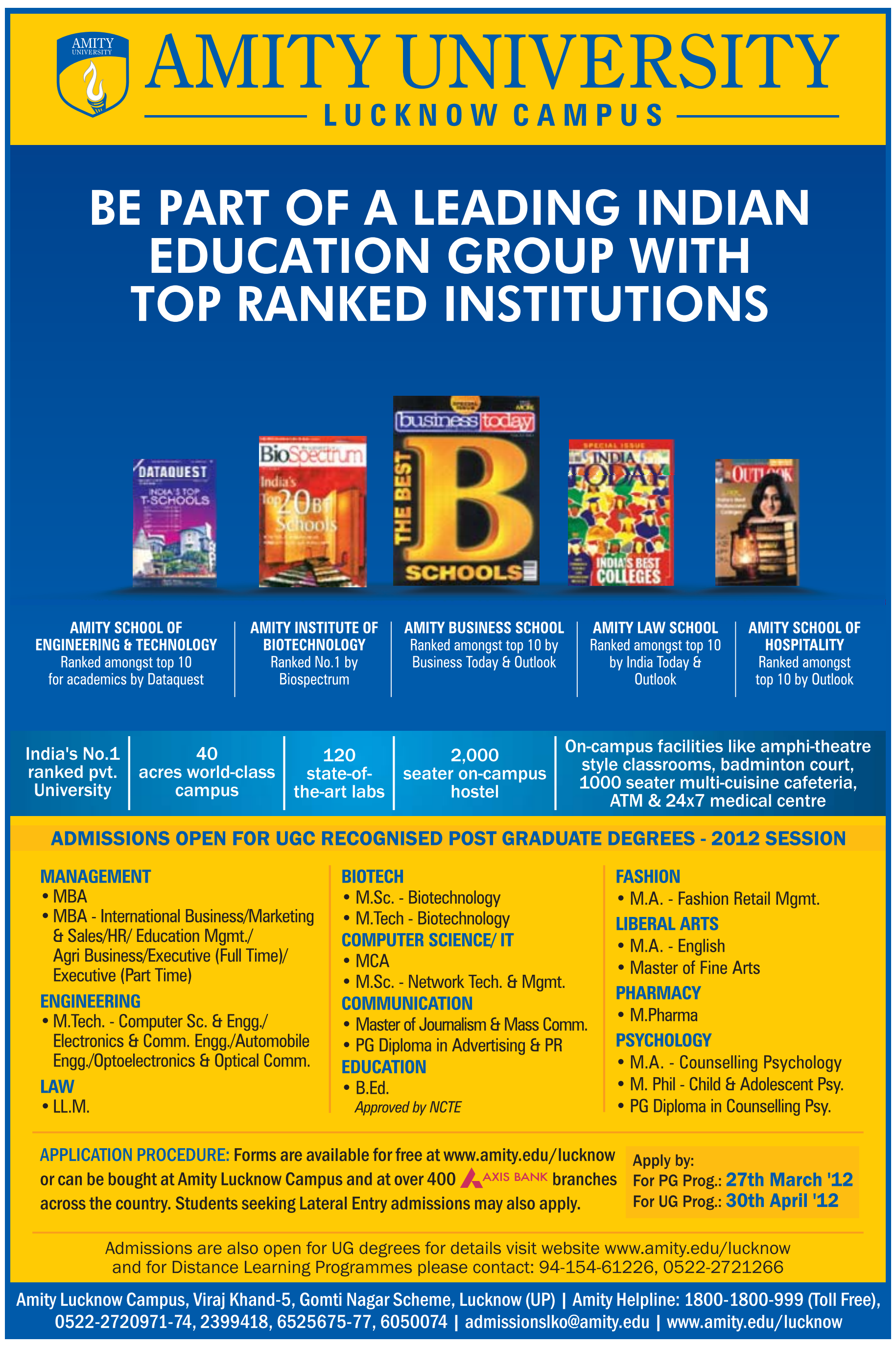
29 फरवरी की रात नक्खीघाट के एक मकान से पुलिस ने 25 कंटेनरों में भरी 558 किलो अफीम बरामद की थी। इस मामले में गाजीपुर अफीम फैक्ट्री में तैनात सीआईएसएफ जवान गोपाल घरे, तेलियाना के शीतल जायसवाल और गाजीपुर के ओमप्रकाश जायसवाल गिरफ्तार हुए थे। तीनों से पूछताछ में पता चला कि इस गोरखधंधे में सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेंट समेत सात अन्य लोग भी शामिल हैं। पुलिस ने अगले दिन गाजीपुर गोलाघाट के मुन्ना उर्फ रोहित और कमलेश उर्फ टुनटुन को धर दबोचा। एक आरोपी तुषार ने अदालत में समर्पण कर दिया था। पुलिस जांच से पता चला कि अफीम फैक्ट्री से कुल 52 कंटेनर गायब हैं। अभी 27 कंटेनर बरामद नहीं हुए हैं। आरोपी शीतला जायसवाल, गोपाल घरे और ओमप्रकाश की निशानदेही पर पुलिस ने दो मोबाइल और फैक्ट्री की दस सील मुहर बरामद की है। दो अन्य आरोपियों मुन्ना उर्फ रोहित और कमलेश उर्फ टुनटुन से पूछताछ हो रही है। पुलिस ने आरोपी तुषार को रिमांड पर लेने को कोर्ट में प्रार्थनापत्र दिया है।